कोटद्वार, शनिवार
1 नवम्बर 2025
वर्षः 47
अंकः 170 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

www.dainikjayantnews.com

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

स्थापित 1979

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

बाइक सवार दो की मौत

रुड़की। शुक्रवार को बुग्गावाला गांव में एक पेट्रोल पंप के पास डीसीएम की टक्कर लगने से बाइक सवार दो रिश्तेदारों की मौत हो गई। बाइक सवार बिहारीगढ़ से आन्नेकी गांव में जा रहे थे। हादसे के बाद आरोपित चालक वाहन को छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने वाहन को कब्जे में लिया है। साथ ही शव को रुड़की सिविल अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया है। सिडकुल थाना क्षेत्र के आन्नेकी गांव निवासी रोहित (23) की बहन की शादी उप्र के जिला सहारनपुर, थाना बिहारीगढ़ क्षेत्र के टांडा मानसिंह गांव में हुई है। शुक्रवार को रोहित अपनी बहन के यहां पर आया था। दोपहर बाद रोहित अपनी बहन के देवर सचिन निवासी टांडा मानसिंह के साथ बाइक से आन्नेकी गांव जा रहे थे। बताया गया है कि जैसे ही इनकी बाइक बुग्गावाला के घेरपम्मा गांव के पास स्थित एक पेट्रोल पंप के पास पहुंची तो अचानक ही सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार डीसीएम ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद दोनों ही सड़क पर गिर गये। वाहन की चपेट में आकर दोनों बुरी तरह से घायल हो गये। हादसा होते देख आसपास के ग्रामीण मौके की तरफ दौड़ पड़े। इन्हें मौके पर आता देख आरोपित चालक वाहन को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया।आननफानन में पुलिस ने दोनों को रुड़की के सिविल अस्पताल भिजवाया। जहां पर चिकित्सकों ने दोनों की मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर इनके स्वजन को सूचना दी है। दोनों ही मजदूरी का काम करते थे। बुग्गावालीा थाना प्रभारी निरीक्षक भगवान महर ने बताया कि आरोपित चालक की तलाश की जा रही है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जायेगा।

दिव्यांग महिला से दुष्कर्म के दोषी को 12 साल की कैद

हल्द्वानी। जिला एवं सत्र न्यायाधीश हरीश कुमार गोयल की अदालत ने 95 प्रतिशत दिव्यांग महिला के साथ दुष्कर्म करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में दोषी भीमताल निवासी अजय कुमार आर्य को 12 वर्ष के कठोर कारावास और 15 हजार के जुर्माने की सजा सुनाई है। सजा सुनाए जाने के बाद आरोपी को तत्काल न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। मामला भीमताल पुलिस क्षेत्र में 2024 दर्ज हुआ था। 35 वर्षीय शारीरिक रूप से अक्षम (95फीसदी दिव्यांग) महिला के साथ आरोपी अजय कुमार आर्य ने अकेले होने का फायदा उठाते हुए कई बार दुष्कर्म किया। पीड़िता के गर्भवती होने पर जब मामला सामने आया तो आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दी। दुष्कर्म पीड़िता ने एक बच्ची को जन्म दिया। डीएनए रिपोर्ट में बच्ची का जैविक पिता अजय कुमार नहीं पाया गया। इसके बावजूद अदालत ने स्पष्ट किया कि डीएनए का मेल न खाना दुष्कर्म के अपराध को निरस्त नहीं करता है। अदालत ने कहा कि अभियोजन की ओर से प्रस्तुत सबूत और गवाही से अपराध सिद्ध होता है। कोर्ट ने नैनीताल जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को निर्देश दिया है कि वह पीड़िता और उसकी नाबालिग बेटी के पुनर्वास, चिकित्सा और शिक्षा के लिए उचित मुआवजा राशि का निर्धारण कर जल्द उपलब्ध कराए। इस प्रकरण में जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) सुशील शर्मा ने पैरवी की, जिसके परिणामस्वरूप पीड़िता को न्याय मिल सका।

नवंबर से निर्धारित शेड्यूल पर चलेंगी जम्मू रूट की चार ट्रेनें

हरिद्वार। जम्मू मंडल में प्राकृतिक आपदा के कारण दो माह से प्रभावित चार ट्रेनों को अब निर्धारित शेड्यूल के अनुसार संचालित किया जाएगा। नवंबर माह से चारों ट्रेनों का संचालन सामान्य हो जाएगा। बीते अगस्त माह में जम्मू मंडल में भारी बारिश, जलभराव और भूस्खलन से रेल यातायात बुरी तरह से प्रभावित हुआ था। इस दौरान जम्मू से श्री माता वैष्णो देवी कटरा के बीच संचालित ट्रेनों को भी निरस्त और शॉर्ट टर्मिनेट किया गया था। स्थिति सामान्य होने के बाद इस रूट पर ट्रेनों का संचालन सामान्य होने लगा है। आपदा के कारण सहारनपुर में शॉर्ट टर्मिनेट ओरिजनेट की जा रही मुरादाबाद मंडल से संचालित होने वाली 15655 – 56 कामाख्या – श्री माता वैष्णो देवी कटरा – कामाख्या एक्सप्रेस और निरस्त की गई। 14609 – 10 योगनगरी ऋषिकेश – श्री माता वैष्णो देवी कटरा – योगनगरी ऋषिकेश एक्सप्रेस ट्रेन का संचालन भी नवंबर माह में सामान्य हो जाएगा।

पाक और चीन की खैर नहीं, राफेल की बढ़ेगी ताकत

भारतीय वायुसेना को जल्द मिलेंगे मेटेओर मिसाइल

नई दिल्ली , पहलगाम पर हुए आतंकवादी हमले के जवाब में मई में आयोजित ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने पाकिस्तान के कई सैन्य ठिकानों और आतंकी ठिकानों पर सटीक कार्रवाई की थी। इस ऑपरेशन की सफलता के बाद भारतीय वायुसेना अपनी मारक क्षमता और दूरपरिधि क्षमताओं को और मजबूत करने की तैयारी में है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, वायुसेना बड़ी संख्या में यूरोपीय निर्मित मेटेओर एयर–टू–एयर मिसाइलें खरीदने की योजना बना रही है। इन मिसाइलों में रैमजेट प्रणोदन प्रणाली है, जो उच्च गति और लंबी मारक दूरी देने के साथ पहला वार, पहली जीत सिद्धांत में दक्षता प्रदान करती हैं। खरीद का प्रस्ताव रक्षा मंत्रालय में अंतिम चरण में पहुंच चुका है और उच्चस्तरीय बैठक में जल्द ही इसे मंजूरी मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। वर्तमान में भारतीय वायुसेना के 36 राफेल

लड़ाकू विमानों पर मेटेओर मिसाइलें तैनात हैं, जो 2016 में फ्रांस से खरीद के बाद से इन विमानों का हिस्सा हैं। भविष्य में नौसेना के लिए ऑर्डर किए गए 26 राफेल मरीन जेट्स में भी इन मिसाइलों को शामिल करने की योजना है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय विमानों ने लंबी दूरी से दुश्मन ठिकानों को निशाना बनाया था। आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तानी वायुसेना ने जवाब में चीनी – 15 मिसाइलों का उपयोग किया, मगर वे भारतीय विमानों को हिट करने में सफल नहीं रहीं। साथ ही, भारत ने विदेशी प्रणालियों के साथ–साथ स्वदेशी क्षमता मजबूत करने की दिशा में भी कदम बढ़ाए हैं। डीआरडीओ वर्तमान में 700 से अधिक अस्त्र मार्क–2 मिसाइलें विकसित कर रहा है, जिनकी अनुमानित मारक क्षमता 200 किलोमीटर से अधिक होगी। इन्हें सुखोई–30 और तेजस (रुष्ट्र) जैसे विमानों पर लागू किया जाना प्रस्तावित है। राफेल बेड़े को मेटेओर के साथ–साथ भविष्य में स्वदेशी एंटी–रेडिएशन मिसाइलें प्रदान करने की भी योजना है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि मेटेओर मिसाइलों की नई खेप मिलने से भारत की हवाई सीमा सुरक्षा में गुणात्मक सुधार होगा और दुश्मन पर दूर से प्रभावी प्रहार करने की क्षमता बढ़ेगी।

वन दरोगा की विभागीय आवास में संदिग्ध हालात में मौत

रुद्रपुर। बीते गुरुवार को वन विभाग के कोटाबाग के देचौरी रेंज अंतर्गत कल्याणपुर वन चौकी में तैनात शांतिपुरी निवासी वन दरोगा का शव विभागीय आवास में संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद हुआ। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

वन दरोगा 46 वर्षीय पूरन चंद्र आर्या पुत्र कुंदन राम आर्या शांतिपुरी नंबर तीन में रहते थे। उनके पुत्र आयुष ने बताया कि बुधवार को पापा से सामान्य बातचीत हुई थी, लेकिन अगले ही दिन सहकर्मियों का फोन आया कि आपके पापा दरवाजा नहीं खोल रहे हैं, जल्दी पहुंचिए। मौके पर पहुंचने पर वन क्षेत्राधिकारी रमेश चंद्र ध्यानी व पुलिस की मौजूदगी में दरवाजा तोड़ा गया, जहां पापा बिस्तर पर मृत अवस्था में मिले। बताया कि उनका करीब छह माह पूर्व ही तराई पूर्वी वन प्रभाग डॉली रेंज, लालकुआं से कोटाबाग के देचौरी रेंज में तबादला हुआ था। पुलिस ने शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। शुक्रवार दोपहर बाद गौला नदी के इमलीघाट पर अंतिम संस्कार किया गया, जहां बड़ी संख्या में परिजन, सहयोगी और ग्रामीण मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने स्वदेशी अपनाने और नशा मुक्त उत्तराखंड की शपथ दिलाई

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया यूनिटी मार्च वॉकथॉन का शुभारंभ, सरदार पटेल को दी श्रद्धांजलि

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर घंटाघर में उनकी मूर्ति पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उन्होंने स्वदेशी अपनाने और नशा मुक्त उत्तराखंड की शपथ भी दिलाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह वॉकथॉन केवल एक दौड़ नहीं, बल्कि भारत की विविधता में एकता की भावना को सशक्त करने का माध्यम है। इससे युवाओं में राष्ट्र निर्माण, अनुशासन, और सेवा की भावना प्रबल होगी। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे सरदार पटेल के आदर्शों को आत्मसात करते हुए एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार करने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

मुख्यमंत्री ने भारत के लौह पुरुष, भारत रत्न, सरदार वल्लभभाई पटेल को नमन करते हुए कहा कि उनके अदम्य साहस, दूरदर्शिता और राष्ट्र समर्पण की भावना के कारण ही आज भारत एक शक्तिशाली और एकीकृत राष्ट्र के रूप में खड़ा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल का सम्पूर्ण जीवन देश की एकता और अखंडता को समर्पित था। उन्होंने 560 से अधिक रियासतों को एक सूत्र में पिरो कर अखंड भारत का निर्माण किया। ऐसे महापुरुष के योगदान को नमन करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2014 से उनकी जयंती को 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया, जो उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि राज्यभर में 16 नवंबर तक प्रत्येक जिले के तीन स्थानों पर वॉकथॉन कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। प्रत्येक आयोजन स्थल पर 8 से 10 किलोमीटर की पदयात्रा के साथ नशा मुक्त भारत, एक पेड़ मां के नाम तथा आत्मनिर्भर भारत जैसे जन-जागरूकता अभियानों को भी जोड़कर समाज में सकारात्मक संदेश देने का कार्य किया जा रहा है।

भारत–अमेरिका ने 10–वर्षीय रक्षा फ्रेमवर्क पर हस्ताक्षर किए

रक्षा मंत्री बोले– ये नए अध्याय की शुरुआत

नईदिल्ली,भारत और अमेरिका के बीच रक्षा मामलों को लेकर अहम समझौता हुआ है। दोनों देशों ने 10 साल के लिए रक्षा फ्रेमवर्क पर हस्ताक्षर किए हैं। मलेशिया में भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ बैठक के बाद अमेरिका के रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने इसकी जानकारी दी है। हेगसेथ ने कहा कि यह रूपरेखा हमारी रक्षा साझेदारी को आगे बढ़ाता है, जो क्षेत्रीय स्थिरता और प्रतिरोध की आधारशिला है।

हेगसेथ ने सोशल मीडिया पर लिखा, मैंने अभी–अभी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की और 10 वर्षीय अमेरिका–भारत रक्षा ढांचे पर हस्ताक्षर किए। यह हमारी रक्षा साझेदारी को आगे बढ़ाता है, जो क्षेत्रीय स्थिरता और प्रतिरोध की आधारशिला है। हम अपने समन्वय, सूचना साझाकरण और तकनीकी सहयोग को बढ़ा रहे हैं। हमारे

रक्षा संबंध पहले कभी इतने मजबूत नहीं रहे हैं। मलेशिया के कुआलालंपुर में हुई ये बैठक दोनों देशों के रक्षा मामलों में बढ़ते सहयोग को दर्शाती है। रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि रक्षा रूपरेखा समझौते के साथ ही भारत–अमेरिका रक्षा संबंधों का नया अध्याय शुरू हो गया है। उन्होंने कहा, हमने 3 बार फोन पर बातचीत की है। मुझे आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान आपसे व्यक्तिगत रूप से मिलकर खुशी हो रही है। इस अवसर पर मुझे लगता है कि रक्षा रूपरेखा पर हस्ताक्षर के साथ आज एक नया अध्याय शुरू होगा। मुझे विश्वास है कि आपके नेतृत्व में भारत–अमेरिका संबंध और मजबूत होंगे। रक्षा फ्रेमवर्क में रणनीतिक रसद, संयुक्त उत्पादन और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण जैसे अहम मुद्दे शामिल हैं। यह हिंद–प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने के लिए भी अहम माना जा रहा है। यह समझौता सैन्य संचालन को मजबूत करेगा, जिससे एक–दूसरे के ठिकानों, रसद और रखरखाव सुविधाओं का निर्बाध उपयोग संभव होगा। इसके अलावा समझौता उन्नत रक्षा तकनीकों तक दीर्घकालिक पहुंच भी सुनिश्चित करता है, जो भारत के स्वदेशी रक्षा उत्पादन और आधुनिकीकरण के लिए अहम है। भारत–अमेरिका में ये समझौता ऐसे वक्त हुआ है, जब टैरिफ को लेकर दोनों देशों के संबंध असहज हो गए हैं। हालांकि, हालिया दिनों में संबंधों में थोड़ी नरमी देखने को मिली है। अमेरिका ने भारत के अनुरोध पर ईरान के चाबहार बंदरगाह पर प्रतिबंधों में 6 महीने के लिए बढ़ा दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी हाल ही में कहा था कि दोनों देश जल्द ही व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे।

मुंबई में ऑडिशन देने आए 15–20 बच्चों को बनाया बंधक

मुंबई ,मुंबई के पवई इलाके में एक सनसनीखेज घटना सामने आई, जब आरए स्टूडियो में ऑडिशन चलने के दौरान लगभग 15–20 बच्चों को कथित रूप से कमरे में बंद कर बंधक बना लिया गया। स्थानीय लोगों की रिपोर्ट पर पुलिस मौके पर पहुंची और बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की। इसी जवाबी फायरिंग में रोहित घायल हो गया। इलाज के दौरान रोहित आर्या की मौत हो गई है। पुलिस और आसपास के निवासियों के अनुसार, पिछले चार–पाँच दिनों से स्टूडियो में ऑडिशन चल रहे थे। सुबह सैकड़ों बच्चे आए थे जिनमें से कुछ बच्चों को वापस भेज दिया गया और कुछ को अंदर रख लिया गया। अंदर बंद बच्चों ने खिडक़ी से बाहर झांकना शुरू किया, जिससे स्थानीय लोगों को शक हुआ और उन्होंने पुलिस को सूचित किया। पुलिस के पहुंचते ही बच्चों को क्रमवार रिहा कराया गया और स्टूडियो संचालक–प्रबन्धक से पूछताछ की गई।

फूलों की घाटी पर्यटकों के लिए हुई बंद

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : विश्व धरोहर फूलों की घाटी शुक्रवार से पर्यटकों के लिए बंद कर दी गई है इस वर्ष 15924 पर्यटकों ने घाटी का दीदार किया, जिनमें से 416 विदेशी पर्यटकों ने घाटी का दीदार किया। पार्क प्रशासन 33 लाख से ज्यादा का राजस्व की प्राप्ति हुई है। फूलों की घाटी प्रतिवर्ष 31 अक्टूबर को देसी विदेशी सैलानियों के लिए बंद कर दी जाती है और 1 जून को खुल जाती है घाटी में पिछले वर्ष की तुलना में विदेशी पर्यटकों की संख्या में खासा उत्साह देखने को मिला।

पीएम मोदी ने उत्तराखण्ड की झांकी को सराहा

एकता परेड में उत्तराखंड की झांकी में राज्य के विभिन्न रूप-रंगों की छटा बिखरी

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : गुजरात के केवडिया में 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के सम्मुख आयोजित एकता परेड में उत्तराखंड की झांकी के माध्यम से देवभूमि की प्रकृति, संस्कृति और प्रगति के विभिन्न रूप-रंगों की छटा बिखरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भव्य एकता परेड का निरीक्षण करते हुए उत्तराखंड की झांकी और लोक कलाकारों के प्रदर्शन की ताली बजाकर सराहना भी की।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के सम्मुख प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के मुख्य समारोह में एकता परेड में देश के चुनिंदा आठ राज्यों के साथ उत्तराखंड को झांकी प्रदर्शन का गौरव मिला था। 'अष्ट तत्त्व

और एकत्व' की थीम पर आधारित उत्तराखंड की झांकी के माध्यम से एकता परेड में राज्य के धार्मिक स्थलों, नैसर्गिक सौंदर्य तथा सांस्कृतिक समृद्धि के साथ ही विकास विभिन्न आयामों को प्रदर्शित किया।

सूचना विभाग के संयुक्त निदेशक के नेतृत्व में उत्तराखंड की झांकी के साथ राज्य के लोक कलाकारों के दल ने लोकगीत की धुनों के साथ पारंपरिक नृत्य का प्रदर्शन किया। राज्य की झांकी के नोडल अधिकारी एवं सूचना विभाग के संयुक्त निदेशक के.एस. चौहान ने बताया कि एकता परेड में राज्य के इस प्रदर्शन को दर्शकों की व्यापक सराहना मिली है।

1 करोड़ नौकरियां, 4 नए शहरों में मेट्रो... बिहार चुनाव के लिए एनडीए ने जारी किया घोषणा पत्र

पटना , बिहार में सत्ता पर पकड़ मजबूत करने की कोशिश में जुटे राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने शुक्रवार को अपना घोषणा पत्र जारी किया। इस बार एनडीए ने इसे ह्यसंकल्प पत्रह्न नाम दिया है। संकल्प पत्र में बिहार के हर युवा को नौकरी और रोजगार देने का वादा किया गया है। साथ ही महिला उद्यमियों को 2–2 लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की गई है। घोषणा पत्र जारी करने के मौके पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, जीतन राम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा मौजूद थे। एनडीए के संकल्प पत्र में विकसित बिहार की परिकल्पना की गई है, जिसके लिए 25 प्रमुख संकल्प तय किए गए हैं। इसके अनुसार, 1 करोड़ से अधिक सरकारी नौकरी और रोजगार प्रदान किए जाएंगे। साथ ही कौशल जनगणना कराकर युवाओं को उनके कौशल के आधार पर रोजगार दिया जाएगा। हर जिले में मेगा स्किल सेंटर स्थापित कर बिहार को ग्लोबल स्किलिंग हब के रूप में विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। महिला सशक्तिकरण पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत महिलाओं को 2 लाख रुपये तक की सहायता राशि देने का प्रावधान किया गया है।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

150वीं जयंती पर सरदार पटेल को दी श्रद्धांजलि

नईदिल्ली,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को देश के प्रथम उपप्रधानमंत्री और गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर उन्होंने गुजरात स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पहुंचकर लौह पुरुष की जयंती पर आयोजित राष्ट्रीय समारोह का नेतृत्व किया, जो भारत की एकता, अनुशासन और सांस्कृतिक विविधता का प्रतीक था। प्रधानमंत्री मोदी ने इस मौके पर एक वीडियो भी एक्स पर साझा किया, जिसमें पटेल की उपलब्धियों को अपनी आवाज में बताया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने वीडियो साझा कर लिखा, भारत सरदार वल्लभभाई पटेल को उनकी 150वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करता है। वे भारत के एकीकरण के पीछे प्रेरक शक्ति थे, और इस प्रकार हमारे राष्ट्र के प्रारंभिक वर्षों में इसके भाग्य को आकार दे रहे थे। राष्ट्रीय अखंडता, सुशासन और जनसेवा के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता पीढिय़ों को प्रेरित करती रहेगी। हम अखंड, सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के उनके दृष्टिकोण को बनाए रखने के अपने सामूहिक संकल्प की पुष्टि करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी सुबह 8 बजे गुजरात के नर्मदा जिले में एकता नगर के पास केवडिया में बनी 182 मीटर ऊंची स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी पहुंच गए थे। यहां उन्होंने पूजा–अर्चना की और पटेल को पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान एकता परेड निकाली गई, जिसमें गार्ड ऑफ ऑनर, फ्लैग मार्च और पूरी तरह से महिला अधिकारियों के नेतृत्व में पुरस्कार विजेता टुकडिय़ां शामिल थीं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को राष्ट्रीय एकता की शपथ भी दिलाई।

प्रधानमंत्री मोदी ने इससे पहले गुरुवार को एकता नगर में सरदार पटेल के परिवार के सदस्यों से मुलाकात की थी।

सरकार का बड़ा फैसला– अब 10 साल पुरानी डीजल और 15 साल पुरानी पेट्रोल गाड़ियां नहीं होंगी स्क्रैप

नई दिल्ली , राजधानी दिल्ली के वाहन मालिकों को सरकार ने बड़ी राहत दी है। अब 10 साल से पुरानी डीज़ल गाडिय़ों और 15 साल से पुरानी पेट्रोल गाडिय़ों को स्क्रैप करने की अनिवार्यता खत्म कर दी गई है। सरकार ने वाहन रजिस्ट्रेशन से जुड़े नियमों में अहम संशोधन करते हुए पुराने वाहनों के लिए (नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट) जारी करने की समय सीमा हटा दी है।

वाहन मालिक अपनी गाड़ी को किसी दूसरे राज्य में दोबारा रजिस्टर करा सकते हैं, जहां ऐसी गाडिय़ों पर बैन नहीं है। सरकार के इस कदम से न सिर्फ वाहन मालिकों को आर्थिक नुकसान से राहत मिलेगी, बल्कि दिल्ली की सडक़ों पर

पुरानी गाडिय़ों की संख्या भी घटेगी। इससे प्रदूषण कंट्रोल में भी मदद मिलेगी और गाडिय़ों की स्क्रैपिंग को लेकर चल रही परेशानी भी कम होगी।

बता दें कि पहले नियम यह था कि अगर आपकी गाड़ी दिल्ली में रजिस्टर्ड है और उसकी उम्र 10 (डीजल) या 15 (पेट्रोल) साल से ज्यादा हो चुकी है, तो दिल्ली ट्रांसपोर्ट विभाग से नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट केवल रजिस्ट्रेशन खत्म होने के एक साल के भीतर ही मिलती थी। लेकिन अब इस एक साल की समय सीमा को पूरी तरह खत्म कर दिया गया है। इसका मतलब यह है कि अब पुरानी गाडिय़ों के मालिक कभी भी ह्णह्ण के लिए आवेदन कर सकते हैं, चाहे गाड़ी का रजिस्ट्रेशन खत्म हुए कई साल क्यों न हो गए हों।

1 नवंबर से दिल्ली में नहीं चलेंगी ऐसी गाडिय़ां

दिल्ली में तेजी से बढ़ते हवा के प्रदूषण को काबू करने के लिए एयर क्वालिटी मैनेजमेंट कमीशन (ष्ट्रक्तरू) के आदेश पर दिल्ली ट्रांसपोर्ट विभाग ने कड़ा कदम उठाया है। 1 नवंबर 2025 से राजधानी की सीमाओं पर स्टैंडर्ड से पुरानी बाहरी राज्यों की कमर्शियल गाडिय़ों का प्रवेश पूरी तरह बंद रहेगा। विभाग लोगों को एसएमएस के जरिए इसकी जानकारी दे रहा है। यह फैसला खासतौर पर सर्दियों में एयर क्वालिटी के खतरनाक लेवल पर पहुंचने से रोकने के मकसद से लिया गया। ट्रांसपोर्ट विभाग ने इस बारे में सार्वजनिक सूचना भी जारी कर दी है।

अमेरिका में दिख रहा शटडाउन का असर

न्यूयॉर्क ,अमेरिका में शटडाउन अभी तक जारी है और इसकी वजह से भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शटडाउन के बीच न्यूयॉर्क में अब संघीय (केंद्र सरकार की) खाद्य सहायता मिलनी भी बंद हो जाएगी। इससे पहले इमरजेंसी की स्थिति घोषित कर दी गई है। बता दें, शटडाउन की वजह से अमेरिका को भारी आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने आपातकालीन खाद्य सहायता के लिए 65 मिलियन डॉलर के नए राज्य कोष की घोषणा की और न्यूयॉर्कवासियों को 40 मिलियन भोजन उपलब्ध कराने का वादा किया। लंबे समय से चल रहे अमेरिकी संघीय सरकार के शटडाउन के कारण लाखों लोगों को अपने फूड स्टैम्प लाभ, या पूरक पोषण सहायता कार्यक्रम (एसएनएपी), से वंचित होने का खतरा है। एसएनएपी कम आय वाले परिवारों के लिए महत्वपूर्ण है। इस महीने की शुरुआत में, अमेरिकी कृषि विभाग (यूएसडीए) ने राज्य एजेंसियों को अपर्याप्त धनराशि के कारण अगली सूचना तक नवंबर के लिए वितरण रोकने के लिए कहा था।

काठगोदाम में दो भाइयों ने खाया सल्फास, एक ने तोड़ा दम, एक गंभीर

हल्द्वानी। मध्यप्रदेश के दो सगे भाइयों ने शिवेश (21) और बृजेश मिश्रा (20) ने काठगोदाम में संदिग्ध हालात में बेहोश मिले। उनके पास ही सल्फास का रेपर मिले। दोनों को एसटीएच में भर्ती कराया गया जहां शिवेश ने दम तोड़ लिया जबकि बृजेश का इलाज चल रहा है। उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। जानकारी के अनुसार मध्यप्रदेश के रीवा निवासी शिवेश मिश्रा पुत्र मनोज कुमार और उसका छोटा भाई बृजेश मिश्रा बुधवार दोपहर बाद काठगोदाम में भदयूनी को जाने वाले मार्ग पर जंगल में बेहोश पड़े थे। मौके से गुजर रहे शीतलाघाट फिल्टर प्लांट के ऑपरेटर ने इसकी सूचना काठगोदाम चौकी पुलिस को दी। चौकी प्रभारी दिलीप कुमार टीम के साथ मौके पर पहुंचे और दोनों को सुशीला तिवारी अस्पताल में भर्ती कराया। वहां शिवेश ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। चिकित्सकों के अनुसार बृजेश की हालत गंभीर बनी हुई है। माता–पिता की मौत से सदमे में थे दोनोंः सूत्रों के अनुसार शिवेश और बृजेश के माता–पिता की कुछ समय पहले मौत हो गई थी। आशंका जताई गई है कि इसी वजह से वे सदमे में थे और उन्होंने आत्मघाती कदम उठाया। वे अपनी दादी के साथ रहते थे। शव मोर्चरी में रखा गया है। परिजनों के आने के बाद ही पोस्टमार्टम किया जाएगा। 23 अक्तूबर से नहीं की थी किसी से बातः काठगोदाम थानाध्यक्ष विमल मिश्रा ने बताया कि मौके पर पड़े बैग से दोनों भाइयों के आधार और पैन कार्ड मिले हैं।

सम्पादकीय

स्वदेशी से आत्मनिर्भरता

उत्तराखंड इस साल अपनी रजत जयंती वर्षगांठ बना रहा है जिसमें राज्य सरकार 25 साल का पूरा खाका पेश करने के साथ ही नई योजनाओं को धरातल पर उतरने की तैयारी में है। इस पूरे क्रम में राज्य सरकार उत्तराखंड में बने उत्पादों को विश्व पटेल पर पेश करने के लिए तैयार है तो वही इस पूरे थीम को स्वदेशी से जोड़कर मुहिम को आगे बढ़ाया जाएगा। ऐसे उत्पाद जो कोई देश खुद निर्मित करता है, ओर जनता उसे सहर्ष अपनाती है। दूसरे देश से विदेशी वस्तुओं के आयात से न केवल स्वदेशी मुहिम प्रभावित होती है बल्कि इसके लिए संबंधित देश की मुद्रा में ही भुगतान भी करना होता है। पिछले कुछ वर्षों में भारत में स्वदेशी की मुहिम को प्रमुखता से बल दिया जा रहा है जिसमें उत्तराखंड भी अब अपनी भूमिका निभा रहा है। पहाड़ से लेकर मैदान तक लघु एवं कुटीर उद्योगों के माध्यम से स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने की इच्छा जागृत हुई है और इसी कड़ी को लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए राज्य सरकार ने भी आमजन के साथ मिलकर आगे बढ़ने का फैसला किया है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री स्वयं इस मुहिम को लेकर सड़क पर उतरे हैं और स्थानीय व्यापारियों को स्वदेशी उत्पादों को बनाने व विक्रय करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। 'स्वदेशी अपनाओ, राष्ट्र को आगे बढ़ाओ' जनजागरूकता अभियान के माध्यम से स्थानीय व्यापारियों, स्वयंसेवी संगठनों और नागरिकों को स्वदेशी उत्पादों के अधिकाधिक उपयोग के लिए प्रेरित करना एक सार्थक पहल है। आत्मनिर्भर भारत और "वोकल फॉर लोकल" के आह्वान को जन–जन तक पहुंचाने के लिए देश में निर्मित वस्तुओं को प्राथमिकता देनी ही होगी तभी देश की आर्थिक स्थिति और स्थानीय रोजगार दोनों को बल मिलेगा। स्वदेशी अपनाना केवल आर्थिक निर्णय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय कर्तव्य है। स्वदेशी का चयन न केवल देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा, बल्कि स्थानीय उत्पादकों, शिल्पकारों और छोटे उद्यमियों को भी प्रोत्साहित करेगा। इसके लिए सभी को मिलजुल कर कदम आगे बढ़ना होगा, खास तौर से इस कार्य के लिए क्रेता और विक्रेता के बीच में समझदारी बेहद जरूरी है। आज विदेशी उत्पादों से भारत का पूरा बाजार भरा हुआ है, इन परिस्थितियों में स्वदेशी उत्पादों का बाजार में टिके रहना और उसे आगे बढ़ाना हर नागरिक के लिए न केवल एक चुनौती है बल्कि इसे एक इच्छा शक्ति के रूप में भी अपनाना होगा। स्वदेशी उत्पाद विदेशी मुद्रा के संचयन के लिए भी जरूरी है जिसका प्रयोग सरकार समाज के विकास के लिए कर सकती है। भारत के बने स्वदेशी उपयोग आज पूरे विश्व में अपनी छाप छोड़ रहे हैं जिसमें उत्तराखंड के उत्पाद भी शामिल हैं लेकिन जरूरत है तो केवल इस बात की कि भारत के नागरिक भी इस मुहिम में शामिल होकर स्वदेशी को अपनाते हुए प्रोत्साहित करें। स्वदेशी अपनाने का संकल्प हमारी सांस्कृतिक पहचान और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को भी लक्ष्य तक ले जाएगा। उत्तराखंड की 25वीं वर्षगांठ पर लघु उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए यह संकल्प सरकार के एजेंडे में शामिल है तो वही सरकार को यह भी आकलन करना होगा कि इन 25 वर्षों में क्या हम अपने उत्तराखंड के पारंपरिक उत्पादों को लक्ष्य तक पहुंच पाए हैं।

छात्रों में बढ़ती जा रही हिंसात्मक गतिविधियां

सोनम लववंशी

देश के तमाम शहरों के विद्यालयों में छात्रों के द्वारा की जा रही हिंसात्मक गतिविधियों पर लोगों को सोचने पर विवश कर दिया है। एक घटना जिसमें दसवीं के छात्र की हत्या और दूसरी घटना नरसिंहपुर में एक छात्र द्वारा अपनी शिक्षिका पर पेट्रोल डाल कर उन्हें आग के हवाले कर देना।

दोनों घटनाएं अलग–थलग वारदात नहीं, बल्कि उस गहरे संकट की परछाई हैं, जो हमारी सामाजिक संरचना और परवरिश के तौर–तरीकों को चुनौती दे रहा है। बच्चे, जिनकी दुनिया खेलकूद, पढ़ाई और मासूमियत से भरी होनी चाहिए, आज हिंसा, हताशा और प्रतिशोध के घेरे में फंसते जा रहे हैं। ऐसे में सवाल यह नहीं कि अपराधी कौन है, बल्कि यह है कि अपराध की जड़ें इतनी गहरा क्यों गई हैं।

यदि बीते आठ वषी के परिप्रेक्ष्य में देखें तो 2014–22 के बीच बाल अपराधों में 81 फीसद की वृद्धि दर्ज की गई। सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि समाज की नींव कहीं न कहीं कमजोर हुई है। बाल अपराधों में सर्वाधिक हिस्सा यौन शोषण का है। बाल लैंगिक अपराध संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत दर्ज मामलों का अनुपात लगातार 36 फीसद के आसपास बना हुआ है अर्थात हर तीसरे अपराध में कोई न कोई बच्चा यौन उत्पीड़न का शिकार होता है। यह स्थिति केवल कानून–व्यवस्था पर प्रश्न चिह्न नहीं लगाती, बल्कि समाज की सामूहिक संवेदनहीनता को भी उजागर करती है। ऐसे में अपराध ही नहीं, बच्चों का मानसिक संतुलन भी गहरे संकट में है।

दिल्ली सहित अनेक महानगरों में पिछले दो वषी में नाबालिगों को हत्या, लूटपाट और रेप जैसे गंभीर अपराधों में गिरफ्तार किया गया। इन घटनाओं में प्रायः मोबाइल फोन, हथियार और इंटरनेट की आसान उपलब्धता बड़ी वजह के रूप में सामने आई। डिजिटल संसार भी बच्चों की सुरक्षा के लिए चुनौती बन चुका है। 2022 में साइबर अपराधों में चौबीस फीसद की वृद्धि दर्ज की गई और इनमें अनेक मामलों में पीड़ित सीधे तौर पर बच्चे ही थे। अनियंत्रित तकनीकी पहुंच और आभासी दुनिया का मोह बच्चों को वास्तविक जीवन से काट कर असुरक्षित बना रहा है। ये सारे तथ्य बताने के लिए पर्याप्त हैं कि यह केवल कानून–व्यवस्था का विषय नहीं है। मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा और पारिवारिक संवाद की विफलता का सम्मिलित परिणाम है। विद्यालयों में अब भी अनिवार्य परामर्शदाता व्यवस्था नहीं है।

एनसीआरबी की दुर्घटनावश मृत्यु और आत्महत्या संबंधी रिपोर्ट बताती है कि 2022 में लगभग तेरह हजार छात्रों ने आत्महत्या की। यह संख्या देश में हुई कुल आत्महत्याओं का लगभग सात फीसद है। सोचिए, केवल परीक्षा में असफल होने के कारण ग्यारह सौ से अधिक बच्चों ने अपनी जीवन लीला समाप्त कर दी। कुल मिला कर अठारह वर्ष से कम आयु के दस हजार से अधिक बच्चों ने 2022 में आत्महत्या का रास्ता चुना और इनमें लड़कियों की संख्या अधिक रही। यह आंकड़ा सिद्ध करता है कि बच्चे अपने ही घर और विद्यालय के दबावों से हार मान रहे हैं। वहीं नाबालिगों द्वारा किए जा रहे अपराध भी भयावह दिशा में बढ़े हैं। 2016 में किशोरों द्वारा अपराधों में हिंसक घटनाओं का अनुपात 32 फीसद था, जबकि 2022 तक यह बढ़ कर लगभग 50 फीसद हो गया अर्थात संख्या स्थिर रही, किंतु स्वरूप अधिक क्रूर और हिंसक हो गया। दिल्ली सहित अनेक महानगरों में पिछले दो वषी में नाबालिगों को हत्या, लूटपाट और रेप जैसे गंभीर अपराधों में गिरफ्तार किया गया। इन घटनाओं में प्रायः मोबाइल फोन, हथियार और इंटरनेट की आसान उपलब्धता बड़ी वजह के रूप में सामने आई। डिजिटल संसार भी बच्चों की सुरक्षा के लिए चुनौती बन चुका है। 2022 में साइबर अपराधों में चौबीस फीसद की वृद्धि दर्ज की गई और इनमें अनेक मामलों में पीड़ित सीधे तौर पर बच्चे ही थे। अनियंत्रित तकनीकी पहुंच और आभासी दुनिया का मोह बच्चों को वास्तविक जीवन से काट कर असुरक्षित बना रहा है। ये सारे तथ्य बताने के लिए पर्याप्त हैं कि यह केवल कानून–व्यवस्था का विषय नहीं है। मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा और पारिवारिक संवाद की विफलता का सम्मिलित परिणाम है। विद्यालयों में अब भी अनिवार्य परामर्शदाता व्यवस्था नहीं है। अध्यापक ज्ञान बांटने में सक्षम हैं परंतु बच्चों के भावनात्मक संघर्ष को समझने और संभालने के लिए प्रशिक्षित नहीं। परिवारों में संवाद का दायरा सीमित होता जा रहा है। अभिभावक बच्चों की चिंताओं और हताशाओं को सुनने की बजाय केवल अंक पत्र और करियर पर ध्यान केंद्रित रखते हैं। समाज मानसिक स्वास्थ्य को विशेष वर्ग का विषय मानता है, जबकि यह हर बच्चे की मूलभूत आवश्यकता है।

अनेक देशों में विद्यालयों में अनिवार्य मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा लागू की जा चुकी है। कला, खेल और संवाद पर आधारित पुनर्वास कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। किशोर अपराधों से निपटने के लिए 'पुनर्स्थापनात्मक न्यायइ पद्धति अपनाई जा रही है, जिसमें अपराधी किशोर को कठोर दंड की बजाय पीड़ित और समाज के साथ संवाद की प्रक्रिया में शामिल कर सुधार की दिशा दी जाती है। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष और वि स्वास्थ्य संगठन चेतावनी दे चुके हैं कि किशोर अपराध को केवल अपराध मान कर कठोर दंड देना समाधान नहीं है। समस्या बहुआयामी है, और इसका समाधान संवेदनशील परवरिश, संवाद और सामाजिक सहयोग से ही संभव है। कुल मिला कर देखें तो हमारे सामने सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या हम अपनी अगली पीढ़ी को हिंसा और निराशा से बचा पाएंगे? क्या हम उन्हें किताब, कला और संवाद की दुनिया में लौटा पाएंगे? क्या हम स्वीकार करेंगे कि शिक्षा अंकों और रोजगार का साधन ही नहीं है, बल्कि संवेदनशीलता और विवेक का संस्कार भी है? और क्या हम सच्चाई का सामना करेंगे कि बच्चों की हिंसा दरअसल, हमारी सामूहिक विफलता का आईना है?

किसानो की समृद्धि की नयी राह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों की समृद्धि की नयी राह बनायी है। 24,000 करोड़ रुपये की लागत से शुरू की गई पीएम धन–धान्य कृषि योजना भारतीय कृषि के परिदृश्य में एक नए अध्याय की शुरुआत मानी जा सकती है। यह केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत के विकास और किसानों की समृद्धि की दिशा में एक दूरदर्शी पहल है। जब जलवायु परिवर्तन, घटती उत्पादकता, और बढ़ती लागतों के बीच किसान जीवनयापन के संकट से जूझ रहे हैं, तब यह योजना उन्हें नई आशा और आत्मविश्वास देने का कार्य करेगी। इस योजना का मूल उद्देश्य देश के हर खेत तक सिंचाई सुविधा पहुंचाना, फसल उत्पादकता में वृद्धि करना, किसानों को सुलभ ऋ ण और भंडारण की बेहतर व्यवस्था प्रदान करना है। भारत जैसे विशाल कृषि प्रधान देश में आज भी लाखों किसान वर्षा आधारित खेती पर निर्भर हैं। अनियमित मानसून और सीमित सिंचाई संसाधन किसानों के जीवन को अनिश्चित बनाते हैं। ऐसे में, यह योजना जल प्रबंधन और सिंचाई के विस्तार के माध्यम से खेती को स्थायित्व और सुरक्षा प्रदान करेगी। धन–धान्य योजना का एक महत्वपूर्ण पहलू आधुनिक भंडारण सुविधाओं के सृजन से जुड़ा है। भारत में हर वर्ष लाखों टन अनाज भंडारण की कमी के कारण खराब हो जाता है। अब आधुनिक गोदामों, कोल्ड स्टोरेज और ग्रामीण स्तर पर वेयरहाउसिंग की व्यवस्था किसानों को अपनी उपज सुरक्षित रखने में मदद करेगी। इससे उन्हें फसल को सही मूल्य मिलने तक बेचने का इंतज़ार करने का अवसर मिलेगा, और बिचौलियों पर उनकी निर्भरता घटेगी। किसानों को सुलभ और कम ब्याज पर ऋ ण उपलब्ध कराना भी इस योजना की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। छोटे और सीमांत किसान अक्सर बैंकिंग प्रणाली से दूर रह जाते हैं और स्थानीय साहूकारों के शोषण का शिकार बनते हैं। अब उन्हें सस्ते ऋ ण की सुविधा मिलेगी, जिससे वे आधुनिक बीज, कृषि यंत्र और नई तकनीकों को अपनाने में सक्षम होंगे। योजना का एक अन्य अहम आयाम कृषि में तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देना है। ड्रोन आधारित फसल निगरानी, स्मार्ट सिंचाई प्रणाली, मिट्टी परीक्षण, और जैविक खेती को प्रोत्साहन जैसी पहलें भारतीय कृषि को आत्मनिर्भर और वैश्विक प्रतिस्पर्धी के योग्य बनाएंगी। यह कदम देश को डिजिटल एग्रीकल्चर के नए युग में ले जाने की क्षमता रखता है। भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ आज भी कृषि ही है। यदि यह योजना ईमानदारी, पारदर्शिता और राज्य सरकारों के सहयोग से सही दिशा में लागू होती है, तो यह केवल किसानों की आय बढ़ाने का माध्यम नहीं, बल्कि ग्रामीण पुनर्जागरण का आधार बनेगी।

इससे कृषि को उद्योग से जोड़ने, ग्रामीण युवाओं को रोजगार देने और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने की दिशा में ठोस प्रगति होगी। निस्संदेह, पीएम धन–धान्य योजना भारतीय कृषि को नई ऊर्जा और दिशा प्रदान करने वाली ऐतिहासिक पहल है। यदि इसका क्रियान्वयन प्रभावी ढंग से हुआ, तो यह देश के खेतों को हरियाली से, और किसानों के चेहरों को समृद्धि की मुस्कान से भर देगी। पीएम धन–धान्य कृषि योजना के दूरगामी परिणाम अत्यंत सकारात्मक हो सकते हैं। इस योजना से कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक और सिंचाई सुविधाओं का विस्तार होगा, जिससे उत्पादकता बढ़ेगी और किसानों की आय दोगुनी करने का लक्ष्य साकार हो सकेगा। भंडारण और विपणन तंत्र के सशक्त होने से फसल की बर्बादी घटेगी। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी, रोजगार सृजन बढ़ेगा और कृषि क्षेत्र आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ेगा। दीर्घकाल में यह योजना भारत को कृषि शक्ति से कृषि समृद्ध राष्ट्र बनाने में सहायक सिद्ध होगी।

और भी जातियों की पार्टियां बनेंगी

हरिशंकर व्यास

नीतीश सरकार की कराई जाति गणना के बाद बिहार में पहला चुनाव है। यह चुनाव कई तरह से राजनीति को बदलने वाला है। आखिरी बार अंग्रेजी राज में 1931 में जाति गणना हुई थी और उसके बाद भी जातियों का ध्रुवीकरण नए तरह से हुआ था। उस समय कांग्रेस के सवर्ण नेतृत्व के खिलाफ यादव, कोईरी और कुर्मी का त्रिवेणी संघ बना था, जिसने 1937 के चुनाव में कई इलाकों में कांग्रेस को हरा दिया था। हालांकि कांग्रेस के मजबूत संगठन, आजादी की लड़ाई के बड़े लक्ष्य और अगड़ी जातियों की ओर से हुए अति हिंसक प्रतिरोध की वजह से त्रिवेणी संघ आगे नहीं चल सका। उसके बाद अब पहली बार जातियां गिनी गई हैं और चुनाव हो रहा है। इस चुनाव में जातियों का नया ध्रुवीकरण तो दिख ही रहा है साथ ही आबादी के हिसाब से छोटी से छोटी जाति भी राजनीतिक प्रतिनिधित्व के लिए बड़ी जातियों के साथ प्रतिस्पर्धा करती दिख रही है। पटना में गुरुवार, 23 अक्टूबर को अशोक गहलोत द्वारा तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का दावेदार घोषित करने के साथ ही मल्लाह जाति से आने वाले मुकेश सहनी को उप मुख्यमंत्री पद का दावेदार घोषित करना इसी राजनीति का नमूना है। राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन ने 'सन ऑफ मल्लाहइ के नाम से अपनी ब्रांडिंग करने वाले मुकेश सहनी को उप मुख्यमंत्री पद का दावेदार बना कर अत्यंत पिछड़ी जातियों को मैसेज दिया है कि महागठबंधन के साथ उनको सत्ता में हिस्सेदारी मिलेगी। अति पिछड़ी जाति के प्रतिनिधि चेहरे के तौर पर मुकेश सहनी के अलावा आईपी गुप्ता का चेहरा भी सामने लाया गया है। महागठबंधन ने उनको सहरसा की सीट दी है। वे तांती समाज से आते हैं। उन्होंने तांती, तंतवा को एक व्यापक पान समाज के रूप में पहचान दिलाने का आंदोलन छेड़ा है।

करीब 25 लाख की आबादी वाले इस समाज के लोगों ने आईपी गुप्ता की अपील पर पटना का गांधी मैदान भर दिया था। यह शुरुआत है। आने वाले दिनों में ऐसी जातियों की संख्या बढ़ेगी, जिनके नेता सामने आकर जाति को पहचान दिलाने का आंदोलन शुरू करेंगे। बिहार में जाति गणना के मुताबिक 36 फीसदी

आबादी अति पिछड़ी जातियों की है, जिसमें 26 फीसदी हिंदू अति पिछड़ी जातियां हैं। इस 26 फीसदी आबादी में कुल 80 जातियां आती हैं, जिनमें से सिर्फ तीन जातियां ऐसी हैं, जिनकी आबादी दो फीसदी से ज्यादा है। लेकिन इन दो फीसदी वाली जातियों के साथ साथ बाकी जातियां भी अपने प्रतिनिधत्व के लिए लड़ रही हैं। देश के कई राज्यों में जातियों का राजनीतिक सशक्तिकरण पहले हो चुका है और उनकी लड़ाई सेटल हो चुकी है। लेकिन बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में अब जाकर राजनीतिक प्रतिनिधित्व की जंग शुरू हुई है। आने वाले दिनों में हर जाति की पार्टी बनेगी। उसके नेता राजनीतिक सत्ता में हिस्सेदारी मांगेंगे।बहरहाल, टिकटों की घोषणा से पहले राहुल गांधी ने पटना जाकर अति पिछड़ा समुदाय के सशक्तिकरण का एक घोषणापत्र जारी किया था। चुनाव के लिए गठबंधन का घोषणापत्र बाद में जारी होगा लेकिन ईबीसी का घोषणापत्र स्वंय राहुल गांधी ने जारी किया था। सो, एक समुदाय के रूप में अति पिछड़ा को साधने का प्रयास चल रहा है। यह प्रयास दोनों तरफ से हो रहा है।

2020 के चुनाव के बाद जब सरकार बनी तब भाजपा ने नोनिया समाज से आने वाली अति पिछड़ी जाति की रेणु देवी को उप मुख्यमंत्री बनाया था। भाजपा की ओर से लगातार इस बात का प्रचार किया जाता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अति पिछड़ी जाति से आते हैं। चूंकि यह समुदाय एक समरूप समाज नहीं है इसलिए इनका कोई सर्वमान्य नेता नहीं है तो नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार को इसका लाभ मिलता रहा है। अब लालू यादव परिवार और कांग्रेस की ओर से भी इस समूह पर दांव खेला जा रहा है।

इसके अलावा अति पिछड़ी जातियों को भी हर जाति की आबादी के अनुपात में प्रतिनिधित्व देने का काम हो रहा है। यह भी नीतीश कुमार की कराई जाति गणना का नतीजा है कि हर जाति अपने लिए विधानसभा चुनाव में टिकट मांग रही है और पार्टियों की मजबूरी हो गई है कि वे टिकट बंटवारे में विविधता लाएं। लगभग सभी पार्टियों ने टिकट बंटवारा करने के बाद जो सूची जारी की उसमें उम्मीदवारों की जाति बताई। उप जातियों का भी जिक्र किया। नीतीश कुमार की पार्टी ने अपनी सूची में अपने आधार वोट यानी कोईरी, कुर्मी और धानुक को सबसे ज्यादा सीटें दीं और उसके बाद पार्टी ने अत्यंत पिछड़ी जातियों में से जिस जाति को जितनी सीटें दीं उसका जिक्र अलग से किया। कहा जा सकता है कि सामाजिक स्तर पर एकजुट रहे जातीय समूहों को राजनीतिक लाभ हानि के लिए अलग अलग समूहों में विभाजित किया जा रहा है। इसकी वजह से आने वाले दिनों में जाति आधारित पार्टियों का विस्फोट होना है। अभी बिहार में यादव, कोईरी, कुर्मी, तांती, पासवान, मांझी आदि की पार्टी बन गई है। आने वाले समय में और भी जातियों की पार्टियां बनेंगी।

दे दे प्यार दे 2 का दूसरा गाना झूम शराबी रिलीज, अजय देवगन ने छलकाए जाम

अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह की आगामी फिल्म दे दे प्यार दे 2 अगले महीने सिनेमाघरों में रिलीज होने को तैयार है। निर्माताओं ने रात भर के बाद दूसरा गाना, झूम शराबी रिलीज कर दिया है। रैपर यो यो सिंह ने दिवंगत पार्श्व गायक अजीज नाजा के मशहूर गाने झूम बराबर झूम शराबी को नए तरीके से पेश किया है, जो आते ही यूट्यूब पर छा गया। दिलचस्प बात ये है कि अभिनेता पहली बार जाम छलकाते दिखे हैं। अजय ने एक्स पर गाना झूम शराबी रिलीज करते हुए लिखा, वाल्यूम बढ़ाओ, डांस फ्लोर पर चाचाओं की मनपसंद धमाल मची है। झूम शराबी अभी रिलीज। हनी और अजय की जुगलबंदी वाले इस गाने ने लोगों को झूमने को मजबूर कर दिया है। हनी सिंह कहते हैं, झूम शराबी शुरू होते ही माहौल बना देता है! मैं चाहता था ऐसा ट्रैक जो सबको डांस फ्लोर पर खींच लाए चाहे वो कूल अंकल हों या क्रेज़ी कज़िन्स. अजय सर के साथ दोबारा काम करना एकदम मज़ेदार और एनर्जी से भरा अनुभव रहा. यह गाना हर उस शादी के लिए बना है जहां असली पार्टी शुरू करते हैं ओजी अंकल्स! गणेश आचार्य, जिन्होंने अजय देवगन के कई हिट डांस नंबर कोरियोग्राफ किए हैं, कहते हैं, झूम शराबी एक आम डांस नंबर नहीं है ये एक फुल–आन अंकल एंथम है!

थामा 100 करोड़ के क्लब में शामिल, एक दीवाने की दीवानियत की भी पकड़ मजबूत

आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की फिल्म थामा का जादू बखूबी चल रहा है। रिलीज के 8 दिन में 100 करोड़ कमा चुकी थामा आयुष्मान के करियर की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। दूसरी ओर, हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा की रोमांटिक ड्रामा फिल्म एक दीवाने की दीवानियत बाक्स आफिस पर मौजूद है। भले इसकी कमाई धीमी हो, लेकिन यह आयुष्मान की फिल्म को कांटे की टक्कर दे रही है। आइए देखें दोनों फिल्मों का कलेक्शन।
मैडाक फिल्म्स के हारर कामेडी यूनिवर्स की थामा को कारोबारी दिनों में फिर उछाल मिली है।सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, रिलीज के 8वें दिन इसने बाक्स आफिस पर 5.50 करोड़ रुपये का शानदार कलेक्शन किया है। इसी के साथ थामा ने 100 करोड़ के क्लब में एंट्री कर ली है, और इसकी कुल कमाई 101.10 करोड़ रुपये हो गई है। जिस रफ्तार से कमाई में बढ़ोतरी हो रही है, जल्द ही यह फिल्म 150 करोड़ के क्लब में पहुंचेगी। हर्षवर्धन अभिनीत एक दीवाने की दीवानियत की बात करें तो इसने अपना बजट (30 करोड़) पहले ही वसूल लिया था, और खुद को हिट फिल्मों की सूची में शामिल कर लिया था।

महिला वनडे इतिहास में सफलतापूर्वक हासिल किए गए सबसे बड़े लक्ष्य

नईदिल्ली, महिला वनडे विश्व कप 2025 के दूसरे सेमीफाइनल में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम को हरा दिया। भारत ने कंगारू टीम से मिले 339 रन के लक्ष्य को 48.3 ओवर में 5 विकेट खोकर 341 रन बनाते हुए हासिल कर लिया। इसके साथ ही भारत महिला वनडे इतिहास में सफलतापूर्वक सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल करने वाली टीम बन गई। आइए महिला वनडे इतिहास में सफलतापूर्वक हासिल किए गए सबसे बड़े लक्ष्यों पर नजर डालते हैं। इस सूची में भारतीय महिला टीम शीर्ष पर पहुंच गई है। महिला वनडे विश्व कप 2025 के दूसरे सेमीफाइनल में कंगारू टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए फोएब लिचफील्ड (119), एलिस पेरी (77) और एशले गार्डनर (63) की दमदार पारियों से 49.5 ओवर में 338/10 का स्कोर बनाया था। जवाब में भारतीय टीम ने जेमिमा रोड्रिगेज (127*) और कप्तान हरमनप्रीत कौर (89) की पारियों के दम पर 48.3

ओवर में 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।इस सूची में कंगारू टीम दूसरे पायदान पर है। उसने महिला वनडे विश्व कप 2025 में भारतीय टीम के खिलाफ 331 रन का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया था। मैच में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए स्मृति मंधाना (80) और प्रतीका रावल (75) की पारियों से 48.5 ओवर में 330/10 का स्कोर खड़ा किया था। जवाब में कंगारू टीम ने कप्तान एलिसा हीली (142) और पेरी (47*) की पारियों से 49 ओवर में 7 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

इस सूची में श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम तीसरे नंबर पर है। उसने 2024 में दक्षिण अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ 302 रन का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया था। मैच में प्रोटियाज टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट (184*) के शतक से 301/5 का स्कोर खड़ा किया था। जवाब में श्रीलंकाई टीम ने कप्तान चमारी अट्टापट्टू (195*) की धमाकेदार पारी से 44.3 ओवर में 4 विकेट पर 305 रन बनाते हुए लक्ष्य हासिल कर लिया था।इस सूची में ऑस्ट्रेलिया टीम ही चौथे नंबर पर है। उसने 2012 में न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ 289 रन का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया था। कीवी टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए एमी सैटरथवेट (109) और कप्तान सूजी बेट्स (59) की पारी से 288/6 का स्कोर खड़ा किया था। जवाब में कंगारू टीम ने मेग लैनिंग (72) और राचेल हेन्स (70) की पारियों से 46.4 ओवर में 6 विकेट पर 389 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया था।

महारानी 4 का ट्रेलर जारी, प्रधानमंत्री की कुर्सी हासिल करने 7 नवंबर को आएंगी हुमा कुरैशी

बालीवुड एक्ट्रेस हुमा कुरैशी महारानी 4 के साथ एक बार फिर ओटीटी पर तूफान लाने के लिए तैयार हैं. इसका नया ट्रेलर सोशल मीडिया पर रिलीज कर दिया है. इस सीजन में पहले से भी ज्यादा राजनीतिक षड्यंत्र देखने को मिल रहे हैं, लेकिन भारती देवी हार नहीं मानने वाली हैं, बल्कि दिल्ली की कुर्सी तक पहुंचने की कोशिश करेंगी.महारानी 4 का लेटेस्ट ट्रेलर रिलीज हो गया है जिसमें इस बार भारती देवी अकेली नहीं, बल्कि अपने कुनबे के साथ दिख रही हैं. सीरीज में भारती सिंह की बेटी और बेटे की एंट्री हो चुकी है. भारती सिंह की बेटी का किरदार

श्वेता प्रसाद ने निभाया है, जो मां की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए संघर्ष कर रही हैं, लेकिन इस बार भारती देवी दिल्ली की राजगद्दी यानी प्रधानमंत्री बनने की लड़ाई लड़ती दिखेंगी.सीरीज में ट्विस्ट ये भी है कि 10 साल पुराने केस में भारती देवी को फंसाने की कोशिश की जाएगी. अब भारती देवी इन परिस्थितियों से कैसे लड़ती हैं, ये तो सीरीज देखने के बाद ही पता चलेगा.महारानी 4 को सात नवंबर से सोनी लिव पर स्ट्रीम किया जाएगा. गौर करने वाली बात ये भी है कि सीरीज को बिहार चुनाव के दौरान स्ट्रीम करने का फैसला लिया गया. 6 नवंबर को बिहार में पहले चरण के विधानसभा चुनाव हैं और 7 नवंबर से दर्शक सीरीज को देख पाएंगे. महारानी का हर सीजन बिहार की राजनीति पर बना है और बिहार चुनाव के दौरान सीरीज को रिलीज करना मेकर्स को फायदा पहुंचा सकता है.

रोमारियो शेफर्ड ने हैट्रिक लेकर मचाया तहलका, वेस्टइंडीज के बने दूसरे गेंदबाज

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर रोमारियो शेफर्ड ने बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे टी20क मैच में हैट्रिक लेकर खास उपलब्धि हासिल की। वह टी20क में हैट्रिक लेने वाले दूसरे गेंदबाज बने। शेफर्ड की शानदार गेंदबाजी के कारण बांग्लादेश की टीम पहली पारी में 151 रन ही बना पाई। चटगांव में पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश ने 22 रन पर अपना विकेट गंवाया। इसके बाद 44 के स्कोर पर दूसरा विकेट। तीसरे विकेट के लिए तंजीद हसन और सैफ हसन के बीच 43 गेंद पर 63 रन की साझेदारी हुई। तंजीद हसन 89 रन बनाकर आउट हुए।

शेफर्ड की हैट्रिक

वहीं सैफ हसन ने 23 रन का योगदान दिया। इन दोनों के अलावा कोई अन्य बांग्लादेशी बल्लेबाज दहाई का

आंकड़ा तक नहीं पार सका। शेफर्ड ने 18वें ओवर की आखिरी गेंद पर नसुम अहमद को आउट किया। इसके बाद आखिरी ओवर की पहली दो गेंद पर तंजीद हसन और शोरफुल इस्लाम का विकेट लेकर अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय हैट्रिक पूरी की।

बने दूसरे कैरेबियाई गेंदबाज

शेफर्ड से पहले जेसन होल्डर ने साल 2022 में ब्रिजटाउन में इंग्लैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ हैट्रिक अपने नाम की थी। शेफर्ड ने लगभग 3 साल बाद वेस्टइंडीज के लिए यह कारनामा दोहराया। शेफर्ड ने बांग्लादेश के खिलाफ अपने करियर में सर्वाधिक 19 विकेट चटकाए हैं। इस मैच में शेफर्ड ने चार ओवर में 36 रन देकर तीन विकेट चटकाए। जबकि होल्डर और खारी पियरे ने दो–दो विकेट हासिल किए। बांग्लादेश के 9 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं पार कर सके।

संक्षिप्त समाचार

इगास व बग्वाल के महात्म्य की दी जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : हेमनदास सरस्वती शिशु मंदिर जानकीनगर में इगास बग्वाल से पूर्व एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों को इगास व बग्वाल कार्यक्रम के महात्म्य की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य प्रदीप नौटियाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति और सभ्यता के प्रचार-प्रसार के लिए आगे आने की अपील की। कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति के बारे में जानने का अवसर मिलता है। इसके उपरांत विद्यार्थियों ने बेडू पाको बारमासा..., मैं पहाड़न मेरा ठुमका पहाड़ी.. सहित अन्य गीतों पर नृत्य प्रस्तुत किए। बच्चों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। शिक्षक अंचल कुमार ने विद्यार्थियों को इगास व बग्वाल के महत्व के बारे में जानकारी दी। कहा कि दीपावली के 11 दिन बाद इगास व बग्वाल पर्व मनाया जाता है। यह उत्तराखंड की संस्कृति व सभ्यता से जुड़ा एक महत्वपूर्ण पर्व है। एक मान्यता के अनुसार, गढ़वाल के सैनिक माधो सिंह भंडारी युद्ध जीतकर दीपावली के 11वें दिन वापस आए थे। इसी खुशी में गढ़वाल के लोगों ने उनके स्वागत में दीपक जलाए, इसे बूढ़ी दीपावली के नाम से भी जाना जाता है।

पांच दिवसीय मनोसामाजिक सहायता प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न

श्रीनगर गढ़वाल : राज्य मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग उत्तराखंड द्वारा भारत सरकार एवं नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरो साइंसेज (निमहांस) बैंगलोर के सहयोग से श्रीनगर मेडिकल कॉलेज में आयोजित पांच दिवसीय मनोसामाजिक सहायता प्रशिक्षण कार्यशाला का शुक्रवार को समापन हुआ। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आशुतोष सयाना ने कहा कि कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के सतत प्रयासों का नतीजा है कि स्वास्थ्य कर्मी राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला से प्रशिक्षण लेकर दक्ष बने रहे हैं। कहा कि पांच दिनों तक चले इस प्रशिक्षण में डॉक्टरों और काउंसलरों ने जो अनुभव और ज्ञान प्राप्त किया है, वह भविष्य में उनके कार्यक्षेत्र में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि हमारी जागरूकता जनता और संवेदनशील स्वास्थ्यकर्मी ही प्रदेश की सबसे बड़ी शक्ति हैं। ऐसी प्रशिक्षण कार्यशालाएं किसी भी आपदा के समय प्रदेश की चिंता और जनता की चिंता को कम करने में मील का पत्थर साबित होंगी। बताया कि श्रीनगर मेडिकल कॉलेज को राज्य स्तर पर एक प्रशिक्षण केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण नियमित रूप से कराया जाएगा। इसका उद्देश्य स्वास्थ्यकर्मियों को हर क्षेत्र में निपुण और आपदा-प्रबंधन सक्षम बनाना है। इस दौरान निमहांस, बैंगलोर से आए विशेषज्ञ डॉ. संजीव कुमार मणिकप्पा, डॉ. के. शेखर (परामर्शदाता) और डॉ. अनिल ने आपदा के दौरान एवं बाद में पड़ने वाले मनोवैज्ञानिक प्रभावों और उनके समाधान के व्यावहारिक तरीके सिखाए।

रेडू गांव में गुलदार व भालू की धमक, दहशत में ग्रामीण

एकेश्वर के ग्राम रेडू में बनी है जंगली जानवरों की धमक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पर्वतीय क्षेत्र में जंगली जनवरों की धमक थमने का नाम नहीं ले रही। एकेश्वर ब्लॉक के ग्राम रेडू में पिछले एक माह से भालू व गुलदार की धमक बनी हुई है। दहशत में जी रहे ग्रामीणों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में पिंजरा लगाकर भालू व गुलदार के आतंक से निजात दिलवाने की मांग की है।

वर्तमान में रेडू गांव में करीब पांच परिवार रहते हैं। लेकिन, यह परिवार इन दिनों जंगली जानवर की दहशत में जी रहे हैं। ग्रामीण जगदीश पसबोला, दिनेश चंद्र पसबोला व नरेंद्र पसबोला ने बताया कि गांव में जंगली जानवरों की धमक से सबसे अधिक खतरा बच्चों व बुजुर्गों को बना हुआ है। गांव में स्थित प्राथमिक विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों को स्वयं उनके अभिभावक छोड़ने व लेने के लिए जा रहे हैं। कुछ दिन पूर्व गांव के समीप खेतों में घास काटने गई महिलाओं को भालू दिखाई दिया। इसके बाद महिलाओं में भी खौफ बना हुआ है। मवेशियों के चारा पत्ती की व्यवस्था करना भी चुनौती बन गई है। उन्होंने बताया कि गुलदार ने एक बछड़े को मार दिया, जबकि एक बछड़े को घायल कर दिया है। जिससे ग्रामीण दहशत में है। शुक्रवार सुबह अपनी ड्यूटी से वापस लौट रहे गांव के एक युवक को मार्ग पर भालू दिखाई दिया। युवक ने भालू की वीडियो बना वन विभाग के अधिकारियों को भेजी। लेकिन, विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौके पर झांकने तक नहीं पहुंचे। कहा कि जंगली जानवरों से निजात के लिए गांव में पिंजरे लगाए जाने चाहिए। वहीं, दमदेवल रेंज के रेंजर राजेन्द्र सिंह नेगी ने बताया कि एकेश्वर ब्लॉक के ग्राम रेडू में भालू की चहलकदमी की जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से मिली है। बताया कि रेडू गांव में टीम को भेजा जा रहा है, टीम गश्त करेगी और गामीणों से भालू की गतिविधियों की जानकारी ली लेगी। उन्होंने बताया कि गांव में पिंजरा लगाने के लिए उच्चाधिकारियों से पत्राचार किया जायेगा।

एकेश्वर के रेडू गांव में घूमता भालू

चौंडलिया में गुलदार की धमक

प्रखंड बीरोंखाल क्षेत्र के चौंडलिया में इन दिनों गुलदार का आतंक बना हुआ है। गुलदार के आंतक से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है। आए दिन गुलदार गांव के निकट आकर मवेशियों को निवाला बना रहा है। गुरूवार को दिनेश चंद्र बुड़ाकोटी अपने खेतो में बैलों को चुगा रहे थे। तभी झाड़ियों में छिपे गुलदार ने बैल पर हमला कर दिया। दिनेश चंद्र के शोर मचाने पर ग्रामीण घटना स्थल पर एकत्र हो गए, जिसके बाद गुलदार जंगल की तरफ भाग गया। गुलदार के हमले में बैल की मौत हो गई। ग्रामीण शंभू प्रसाद, जीतेंद्र प्रसाद ने कहा कि गुलदार अभी तक बैल, गाय, बकरी सहित कई मवेशियों को अपना निवाला बना चुका है। उन्होंने वन विभाग से गुलदार को पकड़ने के लिए क्षेत्र में पिंजरा लगाने व ग्रामीणों को मुआवजा दिए जाने की मांग की है।

विद्यार्थियों को फर्स्ट एड व सीपीआर की दी जानकारी

आयोजित कार्यशाला में विद्यार्थियों को जानकारी देते विशेषज्ञ

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : रितेश शर्मा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज जानकीनगर में रोटरी क्लब के इंट्रेक्ट क्लब की ओर से कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं को फर्स्ट एड व सीपीआर के संबंध में जानकारी दी गई।

विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ रोटरी क्लब अध्यक्ष ऋषि ऐरन ने किया। उन्होंने बच्चों को स्वास्थ्य संबंधित जानकारी दी। कहा कि हमें स्वस्थ शरीर के लिए अपनी जीवन की दिनचर्या पर विशेष ध्यान देना चाहिए। मैठानी मेडिकल सेंटर के फार्मासिस्ट अब्दुल सलीम ने हृदय रोग के मरीजों को प्राथमिक उपचार देने तरीके बताए। कहा कि वर्तमान में हृदय रोग के मरीजो की संख्या बढ़ती जा रही है। कहा कि सीपीआर एक प्राथमिक उपचार है व इससे कई हृदय रोग के मरीज की जान बचाई जा सकती है। बताया कि जब किसी व्यक्ति की सांस या दिल की धड़कन रूक जाती है, तब सीपीआर दिया जाता है। उन्होंने प्रयोगात्मक रूप से सीपीआर के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर रेखा रावत, सलोनी, सचिन गोयल, विजय कुमार, विपिन बख्शी, विजय कुमार माहेश्वरी, ऋषि ऐरन, गोपाल बंसल आदि मौजूद रहे।

विद्यार्थियों को बेहतर कॉलेज चयन के लिए किया प्रेरित

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : स्कूल के बाद बच्चों को बेहतर कॉलेज चयन के लिए हेड हेरिटेज एकेडमी में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यशाला में विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में अंतरराज्यीय कालेज व विश्वविद्यालयों ने भाग लिया। कार्यक्रम में अमेटी विश्वविद्यालय पंजाब, एसजीटी विश्वविद्यालय गुरुग्राम, चितकारा विश्वविद्यालय पंजाब, एसआरएचयू विश्वविद्यालय देहरादून, शारदा विश्वविद्यालय नोएडा सहित अन्य विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि शामिल थे। सदस्यों ने कहा कि उज्जवल भविष्य के लिए विद्यार्थियों को बेहतर कॉलेज का चयन करना चाहिए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ ही उनके अभिभावकों ने भी भाग लिया। विद्यालय की प्रधानाचार्य डा. रूपमाला सिंह व कर्नल कुंवर अजय सिंह ने कहा कि बच्चों को बेहतर मार्गदर्शन करवाने के लिए स्कूल में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। कहा कि कार्यक्रम को लेकर बच्चों व अभिभावकों में उत्साह बना हुआ था।

हेड हेरिटेज एकेडमी में आयोजित कार्यक्रम में जानकारी देते विश्वविद्यालय से पहुंचे सदस्य

सरदार वल्लभ भाई पटेल व इंदिरा गांधी को किया याद

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : जिला कांग्रेस कमेटी ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती व भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पुण्य तिथि पर उनके योगदान को याद किया। कहा कि समाज हित में दिए गए महापुरुषों के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

शुक्रवार को पार्टी कार्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सरदार वल्लभ भाई पटेल व इंदिरा गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। वक्ताओं ने कहा कि 31 अक्टूबर को गुजरात के नडियाद में सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्म हुआ था। उन्होंने आजादी के बाद देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। छोड़ी-बड़ी रियासतों का भारत में विलय करने में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस दौरान वक्ताओं ने इंदिरा गांधी के योगदान को भी याद किया। कहा कि देश हित में दिए गए इंदिरा गांधी के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। 31 अक्टूबर 1984 को उनके ही अंगरक्षक ने अलगाववाद की भावना से प्रेरित होकर उनकी हत्या कर दी थी। बताया कि वर्ष 1971 में भारत-पाक युद्ध के दौरान कुशल नेतृत्व करते हुए उन्होंने पाक को घुटने टेकने के लिए मजबूर कर दिया था। इस मौके पर जिलाध्यक्ष विनोद डबराल, रंजना रावत, रमेश चंद्र खंतवाल, श्रीधर प्रसाद, केशर सिंह चौहान, लक्ष्मी चौहान, रणवीर सिंह, विनोद नेगी, गोकुल सिंह, दलीप सिंह रावत, वीरेंद्र सिंह रावत, राजेश कुमार आदि मौजूद रहे।

आयोजित कार्यक्रम में इंदिरा गांधी व सरदार वल्लभ भाई पटेल को श्रद्धांजलि देते कांग्रेसी

लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण के लिए सीएम आवास का करेंगे घेराव

चिलरखाल चैक पोस्ट पर सड़क निर्माण की मांग को लेकर नारेबाजी करते क्षेत्रीय जन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पिछले कई दिनों से लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण के लिए धरने पर डटे लोगों ने अब देहरादून में मुख्यमंत्री आवास घेराव का निर्णय लिया है। कहा कि लगातार शिकायत के बाद भी सरकार मार्ग की अनदेखी कर रही है।

लालढांग-चिलरखाल मोटर मार्ग निर्माण के लिए धरना शुक्रवार को भी जारी रहा। वक्ताओं ने कहा कि क्षेत्रीय जनता पिछले कई दशकों से लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण की मांग उठा रही है। लेकिन, अब तक मार्ग निर्माण के लिए कोई सख्त कदम नहीं उठाया गया। बताया कि मार्ग निर्माण के लिए पिछले दो माह से लोग लगातार आंदोलन कर रहे हैं। यही नहीं चैक पोस्ट पर धरना भी दिया जा रहा है। बावजूद शासन-प्रशासन सुध लेने को तैयार नहीं है। ऐसे में लोगों का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। बताया कि अब कोटद्वार के इस संघर्ष को देहरादून तक पहुंचाया जाएगा। कहा कि जब तक मार्ग निर्माण नहीं होगा उनका आंदोलन जारी रहेगा। इससे पूर्व, आंदोलनकारी कोटद्वार कोतवाली में पहुंचे और आंदोलनकारियों को लेकर सोशल मीडिया में की जा रही अनर्गल बयानबाजी पर नाराजगी जताई। इस मौके पर प्रवीन थापा, संजय सिंह रावत, मदन सिंह, नारायण सिंह, हेमा नेगी, रवींद्र सौंद, प्रकाश रावत, माला अधिकारी, पुष्पा देवी, जयंती देवी आदि मौजूद रहे।

रामलीला के मंचन ने मोहा दर्शकों का मन

कोटद्वार : मंदाल घाटी रामलीला कमेटी के तत्वावधान में चल रही रामलीला के दौरान शुक्रवार को सुग्रीव का राज्यभिषेक, सीता की खोज के लिए हनुमान का लंका जाना, सीता व हनुमान का संवाद, विभीषण हनुमान संवाद दिखाया। रामलीला में राजा रावण का पुत्र इंद्रजीत हनुमान को नागपास से बंदी बनाए जाने वाले दृश्य आकर्षण का केंद्र रहा। दुर्गापुरी में चल रही रामलीला मंचन का शुभारंभ महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने किया। मंचन के प्रथम दृश्य में भगवान राम सुग्रीव का राज्यभिषेक करवाते हैं। तत्पश्चात राम की अनुमति पाकर हनुमान लंका जाते जाते है, जहां पर उनकी मुलाकात माता सीता से होती है। हनुमान व सीता संवाद बहुत ही आकर्षक रहा। लंका पहुंचने पर हनुमान की मुलाकात रावण के छोटे भाई विभीषण होती है। अंतिम दृश्य में अशोक वाटिका उजाड़ रहे हनुमान को इंद्रजीत नागपास से बंदी बना देते है।

दीक्षांत समारोह के लिए जल्द शुरू होंगे पंजीकरण

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विवि के दीक्षांत समारोह की तैयारियां जोरों पर हैं। विवि की ओर से इस आयोजन के लिए गठित कमेटियां अपने-अपने कार्यों में जुटी हुई हैं। बताया जा रहा है कि नवंबर प्रथम सप्ताह से समारोह में प्रतिभाग करने के लिए छात्रों के पंजीकरण होंगे।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

1	कार्य का नाम : 23/वरिष्ठ मं.वि.अभि./सा./मुरा./2025:- मुरादाबाद डिवीजन की कॉलोनियों में एटी-थेफ्ट प्रकार की बंच केबल के प्रावधान द्वारा बैकबोन विद्युत अवसंरचना में सुधार का कार्य।
2	कार्य की अनुमानित लागत (रु.) : 1,80,87,891.40 (जीएसटी सहित)
3	कार्यालय का पता जहाँ से निविदा प्रपत्र जारी किया गया है : विद्युत शाखा, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, मुरादाबाद।
4	बिड सिक्यूरिटी : रु. 2,40,400.00
5	कार्य के पूरा करने की समय अवधि : 6 (छः) माह
6	निविदा प्रपत्र जमा करने तथा खुलने की दिनांक व समय : निविदायें दिनांक 24.11.2025 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन 15:00 बजे खोली जायेंगी।
7	वेबसाइट एवं कार्यालय का पता : वेबसाइट www.ireps.gov.in मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, मुरादाबाद

निविदा सूचना सं.: 19/2025 दिनांक: 31.10.2025 3401/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/ मुख्यालय मुरादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते है। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिमाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

Tender No. Date	227-DRM-MB-25-26 Dt. 31.10.2025	228-DRM-MB-25-26 Dt. 31.10.2025
Name of work	Heavy repair of door & windows at staff quarters of ZRTI/CH and chandausi subdivision in the section of ADEN/CH.	Provision of Auto Hut & Relay Room for ABS between MB-MPH under ADEN/HQ/MB.
Tender Closing Date Time	26.11.2025	26.11.2025
Advertised Value	₹18700496.07	₹15052886.53
Earnest Money	₹243500.00	₹225300.00
Tender Cost	00	00
Bidding Start Date	12.11.2025	12.11.2025
Period of Completion	06 Month	06 Month

पत्रांक: 75-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 31.10.2025 3398/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

जयंती पर हुई एकता दौड़ में दौड़े विद्यार्थी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भारतीय जनता पार्टी की ओर से भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर एकता दौड़ का आयोजन किया गया। इस दौरान एकता दौड़ में विभिन्न विद्यालयों के सैकडों विद्यार्थियों ने भाग लिया। देवी मंदिर में लैंसडौन विधायक दिलीप रावत ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर एकता दौड़ को रवाना किया। देवी रोड, नजीबाबाद रोड, झंडाचौक होते हुए दौड़ बदरीनाथ मार्ग स्थित प्रेक्षागृह में संपन्न हुई। प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम का महापौर शैलेंद्र सिंह रावत, भाजपा जिलाध्यक्ष राज गौरव नौटियाल, दर्जा मंत्री ऋषि कंडवाल, एसपी चंद्र मोहन सिंह, सीओ निहारिका सेमवाल ने सरदार पटेल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। वक्ताओं ने युवाओं को महापुरुषों के बताए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। कहा कि लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल केवल स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोने वाले ऐसे युगपुरुष थे जिन्होंने अपने अदम्य साहस और दृढ़ निष्ठा से देश की 562 रियासतों का एकीकरण कर अखंड भारत की नींव रखी। कहा कि उनका जीवन हमें यह संदेश देता है कि एकता ही राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति है। उनके अटूट संकल्प और दूरदर्शी नेतृत्व ने देश की अखंडता को सुदृढ किया। इस दौरान एकता दौड़ का परिणाम घोषित किया गया। जिसमें ओपन पुरुष वर्ग में अनुज नेगी ने प्रथम, ऋतिक रावत द्वितीय और विकास ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। ओपन महिला वर्ग में दीक्षा धस्माना, काजल, सृष्टि, विद्यालयी वर्ग बालक में आदित्य रावत, मयंक गुसाईं, वंश खाती, बालिका वर्ग में निकिता, अंकिता, ईवा डेगरा प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय रहे। कनिष्ठ वर्ग बालक में आशीष सैनी ने प्रथम, दीपक रावत ने द्वितीय, निपेंद्र पाल ने तृतीय। जबकि बालिका वर्ग में नव्या नेगी ने प्रथम, माही थापा ने द्वितीय व संजना ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में स्टेडियम प्रभारी श्याम सिंह डांगी, मान सिंह थापा, सतपाल असवाल, विनय रावत, महेश कुकरेती, पूरण धुलिया, राकेश भट्ट सहित 21 खेल प्रशिक्षकों, शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर कार्यक्रम संयोजक हरी सिंह पुंडीर, सह संयोजक विजयानंद पोखरियाल, शांता बमराड़ा, जिला महामंत्री सुरेन्द्र सिंह आर्य, जिला उपाध्यक्ष श्रीमती बीना रावत, वरिष्ठ खेल प्रशिक्षक सुनील रावत, जिला मंत्री मनीष आर्य, नगर अध्यक्ष विकास दीप मित्तल, भाबर मण्डल अध्यक्ष आशीष रावत, सुखरो मण्डल अध्यक्ष प्रेमा खंतवाल, जिला सोशियल मीडिया प्रभारी मनीषा ठाकुर, रजनीश चौधरी, अभिषेक नेगी, रामपाल सिंह, यमन डबराल, हरेंद्र सिंह, नयन भाटिया, कुंज अग्रवाल, नमन भटनागर, नीरू बाला खंतवाल आदि मौजूद रहे।

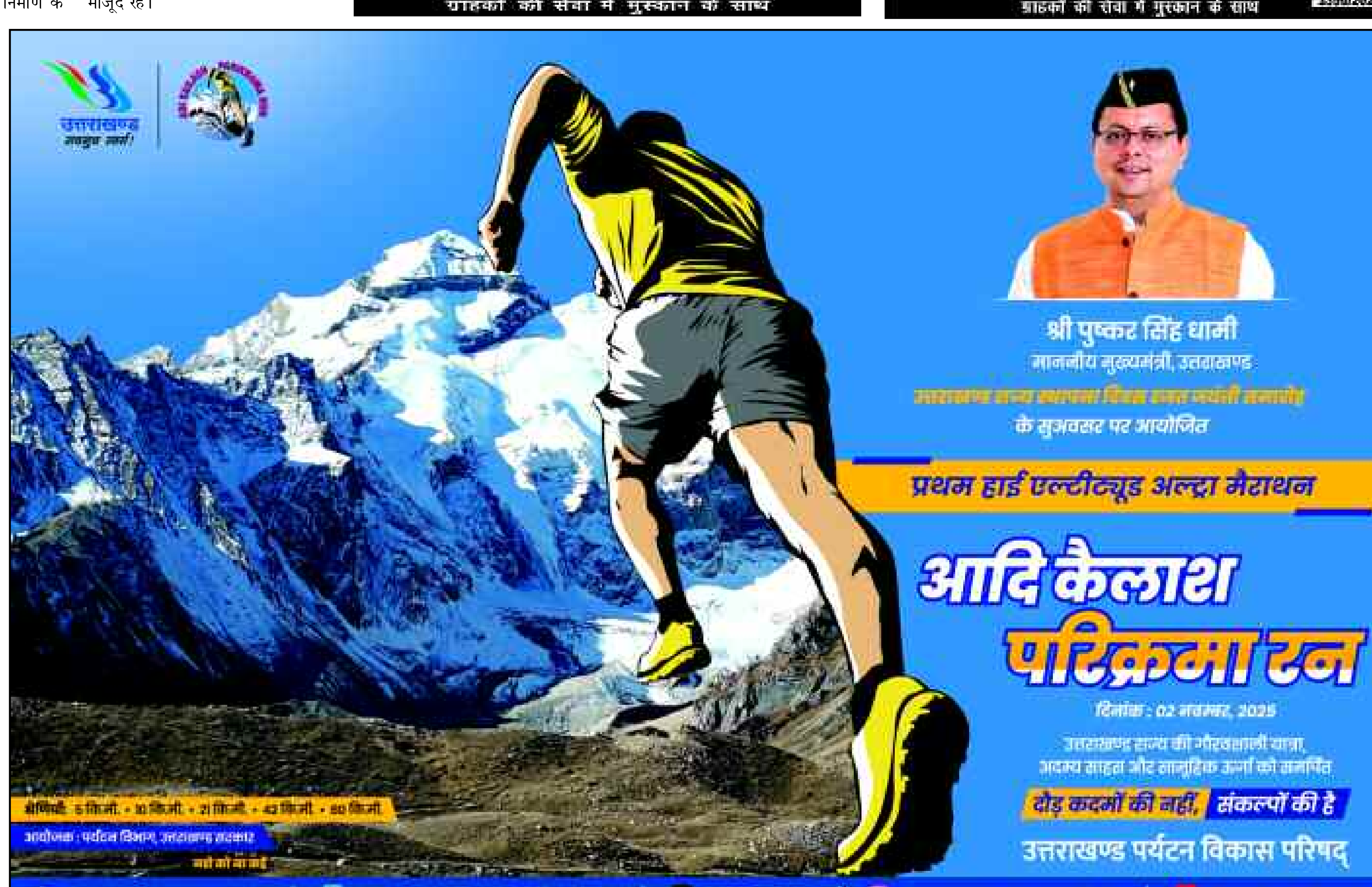

संक्षिप्त समाचार

रेलवे स्टेशनों पर यात्री होल्डिंग एरिया विकसित करने की योजना को मिली मंजूरी

–उत्तर पश्चिम रेलवे के पांच स्टेशन हुए नामित

जयन्त प्रतिनिधि। दिल्ली : रेल मंत्री ने विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर यात्री होल्डिंग एरिया विकसित करने की योजना को मंजूरी दी है। यह निर्णय नई दिल्ली स्टेशन पर यात्री होल्डिंग एरिया की सफलता को देखते हुए लिया गया है। होल्डिंग एरिया की मदद से नई दिल्ली स्टेशन दिवाली और छठ के दौरान होने वाली अत्यधिक भीड़ को आसानी से संभाल सकता है। होल्डिंग एरिया का निर्माण चार महीने के भीतर पूरा कर लिया गया। होल्डिंग एरिया मॉड्यूलर डिजाइन में होंगे। इनका निर्माण स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखकर किया जाएगा। रेल मंत्री ने निर्देश दिया कि सभी होल्डिंग एरिया 2026 के त्यौहारी सीजन से पहले ही बन जाने चाहिए। उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर, गांधीनगर जयपुर, अजमेर, जोधपुर और रींगस स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया बनाने की मंजूरी दी गई है।

लौह पुरूष की 150वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई

कुलपति ने दिलाई राष्ट्रीय एकता, अखण्डता और सुरक्षा की शपथ दिलाई

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कुलपति ने छात्र-छात्राओं, प्राध्यापकों एवं अतिथियों को राष्ट्रीय एकता, अखण्डता और सुरक्षा की शपथ दिलाई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर से रन फॉर यूनिटी मैराथन का आयोजन किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक, छात्र-छात्राएं, नगर निगम महापौर आरती भंडारी, एसडीएम नुपूर वर्मा सहित स्थानीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

शुक्रवार को बिड़ला परिसर स्थित एसीएल सभागार में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ गढ़वाल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। इस अवसर पर मुख्य छात्र सलाहकार एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी प्रो. एमएम सेमवाल ने पुष्पगुच्छ भेंटकर कुलपति का स्वागत किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह ने सरदार पटेल के जीवन और योगदान पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि आजादी के बाद भारत के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती विविध रियासतों को एक सूत्र में बांधने की थी। सरदार पटेल ने अपने अदम्य साहस, राजनीतिक कुशलता और राष्ट्र निष्ठा से इस चुनौती को अवसर में बदला और अखण्ड भारत की नींव रखी। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल का मानना था कि राष्ट्रीय एकता के लिए जातीय भेदभाव, क्षेत्रवाद और धार्मिक उन्माद सबसे बड़ी बाधाएं हैं। कुलपति ने संविधान सभा में डॉ. आंबेडकर के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि यह वहीं समस्याएं थीं जिन्हें पटेल ने नीतिगत दृष्टि से समझा और आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनुच्छेद 370 को समाप्त कर उनके 'एकीकृत भारत' के स्वप्न को साकार किया है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राकेश नेगी ने किया। इस मौके पर प्रो. एमएस सेमवाल, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. ओपी गुसाईं, कुलसचिव प्रो. राकेश डोढ़ी, नोडल अधिकारी डॉ. राकेश नेगी, विश्वविद्यालय के डीन रिक्रूटमेंट प्रो. मोहन सिंह पंवार, प्रो. मंजुला राणा, प्रो. डीएस नेगी, प्रो. गुड्डी बिष्ट, मुख्य नियंता प्रो. एस.सी. सती, छात्रावास अधीक्षक डॉ. एसएस. बिष्ट, प्रो. जेपी मेहता आदि मौजूद थे।

कूड़ा वाहनों में नियमित रूप से जीपीएस सिस्टम सक्रिय रखें : सीडीओ

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत की अध्यक्षता में विकास भवन में गंगा स्वच्छता, संरक्षण, जन–जागरुकता एवं अपशिष्ट प्रबंधन की स्थिति को लेकर बैठक हुई। इस दौरान सीडीओ ने बैठक में मौजूद अफसरों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ भी दिलाई। सीडीओ ने अफसरों को कूड़ा वाहनों में नियमित रूप से जीपीएस सिस्टम स्थापित करके सक्रिय रखने के निर्देश दिए। शुक्रवार को आयोजित बैठक में सीडीओ ने जिला पंचायत के अफसरों को विकासखण्ड स्तर पर कॉम्पेक्टरों के संचालन को पर्याप्त मानव संसाधन, तकनीकी सहायता एवं उपकरणों की उपलब्धता रखने को कहा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में तेजी से विकसित हो रहे बाजारों और कस्बों में सफाई कर्मियों की तैनाती प्राथमिकता के आधार पर की जाए। सीडीओ ने कहा कि 4 नवम्बर को गंगा उत्सव मनाया जाएगा। इस अवसर पर गंगा और उसकी सहायक नदियों के घाटों और किनारों पर दीपोत्सव का आयोजन किया जाएगा। कहा कि गंगा के महत्व, उसकी सांस्कृतिक विरासत और पर्यावरणीय भूमिका को जन–जन तक पहुंचाने के लिए शिक्षण संस्थानों में वाद–विवाद, निबंध लेखन, पोस्टर एवं चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन अनिवार्य रूप से किया जाए।

वन विभाग को दोबारा मिली भालू को ट्रैंक्यूलाइज करने/मारने की परमिशन

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : थलीसैंण के राठ क्षेत्र में सक्रिय भालू को मारने की परमिशन वन विभाग को दोबार मिल गई है। भालू के हमले नहीं थमने के बाद वन विभाग ने मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक से भालू को ट्रैंक्यूलाइज करने या मारने की परमिशन दोबारा मांगी थी, जो मिल गई है। बता दें कि सितंबर में भालू को मारने की परमिशन दी गई थी, लेकिन वन विभाग की प्रभावित क्षेत्रों में तैनात टीमों को भालू की कोई भी गतिविधि नहीं दिखाई दी जिससे न तो भालू को ट्रैंक्यूलाइज ही किया जा सका और ना ही मारा जा सका। भालू को पकड़ने के लिए वन विभाग ने पिंजरा भी लगाया था, लेकिन भालू इसमें भी कैद नहीं हुआ। इस बीच प्रभावित क्षेत्रों में भालू के हमले थम गए थे, लेकिन इसके बाद फिर भालू सक्रिय हो गया और उसने बीच में एक दो दिन छोड़कर मवेशियों को निशाना बनना शुरू कर दिया। इसके बाद वन विभाग की टीम एक बार फिर प्रभावित गांवों में गशत में जुट गई। कुचौली और सौंठ में 10 ट्रैपिंग कैमरे भी विभाग ने लगाए। इस बीच भालू कैमरे में कैद भी हो गया, लेकिन पकड़ा नहीं गया। अब भालू को मारने के लिए वन विभाग को दोबार परमिशन मिली है। गढ़वाल वन प्रभाग के डीएफओ अभिमन्यू सिंह ने बताया कि परिमशन मिलने के बाद ट्रैंक्यूलाइज टीमों को दुबारा क्षेत्र में तैनात किया जा रहा है। पूरे इलाके की गशत की जा रही है। इसके साथ ही कैमरों के जरिए भी भालू पर नजर रखी जाएगी। जीपीएस सिस्टम वाले ट्रेल गार्ड कैमरे भी मंगाए गए हैं। डीएफओ ने बताया कि भालू के हमले इस बार बढ़े हैं। यह दूसरा मौका है जब भालू को ट्रैंक्यूलाइज करने की परिशन लेनी पड़ी। राठ क्षेत्र के कठ्यूड़, कुचौली आदि गांवों में भालू ने अब तक 30 से अधिक मवेशियों को निवाला बना दिया है। वन विभाग की टीम अभी भी प्रभावित गांवों में गशत कर रही है।

योजनाओं का आमजन को शत प्रतिशत लाभ दिया जाएं : डीएम

डीएम ने ली स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक, अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार ने शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग, होम्योपैथिक और आयुर्वेदिक विभाग के समीक्षा बैठक ली।

इस दौरान उन्होंने जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को राज्य सरकार की योजनाओं का आमजन को शत प्रतिशत लाभ दिए जाने के निर्देश दिए।

बैठक में जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को सीएसआर फंड से क्रय किए गए एएलएस वाहन को शीघ्र क्रियाशील करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने 108 वाहनों के संचालन और रख-रखाव को दुरुस्त करने की भी बात कही। उन्होंने सरकार की ओर से संचालित योजनाओं का पात्र लोगों को लाभ देने के लिए अन्य विभागों से भी समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी को बदरीनाथ मास्टर प्लान के तहत निर्माणाधीन चिकित्सालय का स्थलीय निरीक्षण कर आवश्यक कार्य शीघ्र पूर्ण करवाने की बात कही। वहीं उन्होंने जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी को सभी पंचकर्म केंद्रों पर सभी आवश्यक उपकरणों की आपूर्ति पूर्ण करने के भी निर्देश दिए। इस मौके पर मुख्य चिकित्साधिकारी डा. अभिषेक गुप्ता, सीएमएस डॉ. अनुराग धनिक, डा. केके उनियाल, आशीष रावत, रणजीत सिंह, रचना आदि मौजूद थे।

आज शुरू होगा बैकुंठ चतुर्दशी मेला, तैयारियां पूरी

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : गगवाड़स्यूं घाटी स्थित सिद्धपीठ श्री देवलेश्वर महादेव मंदिर, बलोड़ी में शनिवार से 5 नवंबर तक पांच दिवसीय बैकुंठ चतुर्दशी मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले को भव्य रूप देने के लिए मंदिर समिति बलोड़ी ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। शनिवार को लोक गायिका संगीता ढौंडियाल और अन्य कलाकार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देगें। जबकि दो नंबवर को उत्सव ग्रुप द्वारा महाभारत पर आधारित प्रसिद्ध नाटक चक्रव्यूह का मंचन किया जाएगा। तीन नवंबर को स्कूली बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएगी। मंदिर समिति के सचिव जगत किशोर बड़थ्वाल ने बताया कि 1 नवंबर को मेले की शुरुआत घाटी के डांग गांव से आने वाली शिव ध्वजा यात्रा से होगी। ब्रह्मकुंड डडुवा देवी में स्नान के उपरांत शिव ध्वजा को भगवान देवलेश्वर महादेव को अर्पित किया जाएगा। इसके बाद दोपहर में लोक गायिका संगीता ढौंडियाल और अन्य कलाकारों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। 2 नवंबर को विभिन्न देव डोलियों के मंदिर में आगमन के साथ ही मेले की रौनक और बढ़ेगी। इस दिन मंदिर परिसर में खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इसके साथ ही उत्सव ग्रुप द्वारा महाभारत पर आधारित प्रसिद्ध नाटक चक्रव्यूह का मंचन किया जाएगा। तीसरे दिन भी खेल प्रतियोगिताएं जारी रहेंगी। घाटी के विभिन्न विद्यालयों के स्कूली बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। देव डोलियों के आगमन के साथ श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ेगी। 4 नवंबर को मेले में रुद्राभिषेक के साथ महिला कीर्तन मंडलियों की प्रस्तुतियां होंगी। इस दिन हास्य कलाकार संदीप छिलबट अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को गुदगुदाएंगे। रात्रि जागरण में लोक गायक मुकेश कठैत और उनकी टीम भक्ति संध्या प्रस्तुत करेंगे। मेले का समापन 5 नवंबर को हवन-पूजन, पूर्णाहुति और विशाल भंडारे के साथ किया जाएगा। इस दिन लोक गायक साहब सिंह रमोला और उनकी टीम सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे।

छात्र राष्ट्र हित में कार्य करने का संकल्प लें

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : आर्मी पब्लिक स्कूल लैंसडौन में राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सरदार वल्लभ भाई पटेल के योगदान के प्रति जागरूकता और प्रेरणा का संचार करना था।

कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय प्रांगण में सामूहिक रूप से ह्लएकता प्रतिज्ञाह्व के साथ हुई, जिसमें विद्यालय के शिक्षकों, विद्यार्थियों और कर्मचारियों ने भाग लिया। इसके बाद प्रेरणादायक भाषणों के माध्यम से विद्यार्थियों को सरदार वल्लभ भाई पटेल के जीवन और योगदान से परिचित कराया गया। इस मौके पर विद्यालय के चारों सदनों ने आकर्षक हाउस बोर्ड सजावट के माध्यम से ह्लएकता में शक्ति हैह्व का संदेश दिया। कक्षा आठ और नौ के विद्यार्थियों के लिए आयोजित रन फॉर यूनिटी में बच्चों ने पूरे उत्साह और जोश के साथ भाग लिया और दौड़ के माध्यम से यह संदेश दिया कि भारत की शक्ति उसकी विविधता में ही निहित है। विद्यालय के प्रधानाचार्य विजेंद्र दत्त सुंद्रियाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस हमें सरदार वल्लभ भाई पटेल के अदम्य साहस, दूरदृष्टि और अटूट देशभक्ति की याद दिलाता है और हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्र हित में कार्य करने का संकल्प लेना चाहिए।

डिजाइन स्किल में पीयूष और अमन रहे अव्वल

श्रीनगर गढ़वाल : उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर राजकीय पॉलिटेक्निक श्रीनगर में जिला स्तरीय प्रतियोगिता का शुक्रवार को शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता में राजकीय पॉलिटेक्निक श्रीनगर, पाबों, थलनदी, कोटद्वार, पौड़ी, सतपुली एवं बीरोंखाल के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए राजकीय पॉलिटेक्निक श्रीनगर के प्रधानाचार्य एसके वर्मा ने सभी खिलाड़ियों को खेल भावना से प्रतिभाग करने की अपील की। विक्ज प्रतियोगिता में श्रीनगर की कनिका रावत व सरिया उप्रेती ने प्रथम आदित्य सिंह व प्रियांशु नेगी ने द्वितीय और पौड़ी की सुजल असवाल व हिमांशु ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। एक्सटेंपोर प्रतियोगिता में श्रीनगर के गौरव प्रसाद रतूड़ी ने प्रथम, शिवानी बिष्ट ने द्वितीय और थलनदी के दीप चंद्र कैस्टवाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। फ़ोटोग्राफी प्रतियोगिता में कोटद्वार के पुष्कर सिंह नेगी ने प्रथम, श्रीनगर की शिवानी बिष्ट ने द्वितीय और थलनदी के दीप चंद्र कैस्टवाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। फिल्म मेकिंग में श्रीनगर के प्रियांशु नेगी, अंकित सिंह, सतपुली के शुभम रावत ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। डिजाइन स्किल प्रतियोगिता में श्रीनगर के पीयूष सिंह व अमन सिंह बिष्ट ने प्रथम, आदित्य सिंह, हैप्पी नेगी व रैनक ने द्वितीय और नितिन प्रसाद, जागृति, अनुष्का व स्नेहा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सिंगिंग (सोलो) में श्रीनगर के अमित कुमार, कोटद्वार के आयुष शाह और कोटद्वार के विवेक केष्टवाल ने प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। मौके पर आयोजन समिति के सदस्यों में डा. भारती विश्वकर्मा, विकास भट्ट, आशुतोष नयन नौटियाल, सुशील बहुगुणा, पल्लवी चौधरी आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

जयन्त

संस्थापक

स्व.नरेन्द्र उनियाल

प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी

नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित

—सम्पादक

नागेन्द्र उनियाल

आर.एन.आई. 35469 / 79

फोन / फैक्स 01382–222383

मो. 8445596074, 9412081969

e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com